## नरेंद्र सिंह नेगी
### अकादेमी पुरस्कारः लोक संगीत (उत्तराखंड)

## NARENDRA SINGH NEGI
### Akademi Award: Folk Music (Uttarakhand)

Born on 12 August 1949 in Pauri Garhwal district of Uttarakhand, Shri Narendra Singh Negi imbibed the rich musical tradition of the region at an early age. Working close to his roots in the social sector with the local administration, he has carried forward those traditions by his creative endeavour as an artist, author, and composer.

Taking up music as a profession, Shri Narendra Singh Negi soon won an audience as a singer, and is today considered to be one of the most accomplished performers of the folk music of Uttarakhand. He started his music career by releasing "Garhwali Geetmala" and his first album was titled Buraans, after a flower found in the hills. He has represented his State in festivals of music within the country and abroad. He has performed over All India Radio and Doordarshan, Najibabad, and Almora for many years. He has to his credit a number of audio-video recordings of the folk music of Uttarakhand. He has also lent his voice to Garhwali movies such as *Chakrachal*, *Gharjawai*, and *Meri Ganga Holi Ta Maima Aali*. Although he mostly composes his music in the folk genre, his lyrics depict the anxieties and tensions, as well as other insights about the people of Uttarakhand.

For his contribution in the field of folk music, Shri Narendra Singh Negi has been honoured with several awards including the Monal Award, the Gouravgadh Samman, the Himgiri Samman conferred by ONGC, the Shivalik Ratna, the Gadhkala Shiromani Samman, and the Mohan Upreti Samman.

Shri Narendra Singh Negi receives the Sangeet Natak Akademi Award for the year 2018 for his contribution to the folk music of Uttarakhand.

SANGEET NATAK AKADEMI AWARDS
संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार
2018

उत्तराखंड के पौड़ी गढ़वाल जिले में 12 अगस्त 1949 को जन्मे, श्री नरेंद्र सिंह नेगी ने अल्पायु में ही अपने क्षेत्र की समृद्ध संगीत परंपरा को अपना लिया था। स्थानीय प्रशासन के साथ सामाजिक क्षेत्र में अपनी जड़ों के करीब रहते हुए आपने काम किया है। बतौर कलाकार, लेखक और संगीतकार, अपने रचनात्मक प्रयासों से अपनी संगीत परम्परा को आपने आगे बढ़ाया है।

श्री नरेंद्र सिंह नेगी ने लोकगायक के रूप में अपनी पहचान स्थापित की है और आज आप उत्तराखंड के लोक संगीत के सबसे कुशल कलाकारों में शुमार किए जाते हैं। आपने अपने संगीत करियर की शुरुआत "गढ़वाली गीतमाला" से की थी और आपके पहले एल्बम का नाम बुरांश था। आपने देश-विदेश में आयोजित विभिन्न संगीत समारोहों में अपने राज्य का प्रतिनिधित्व किया है। आप बतौर कलाकार आकाशवाणी और दूरदर्शन, नजीबाबाद और अल्मोड़ा से भी जुड़े रहे हैं। उत्तराखंड के लोक संगीत के कई ऑडियो-वीडियो रिकॉर्डिंग का श्रेय भी आपको जाता है। आपने गढ़वाली फिल्मों जैसे चक्रचल, घरजंवाई, और मेरी गंगा होली ता मैमा आली में भी आपने अपनी आवाज दी है। आपके संगीत में उत्तराखंड की लोकसंस्कृति और समाज के साथ ही सामयिक चिंताओं और समस्याओं का भी चित्रण हुआ है।

लोक संगीत के क्षेत्र में योगदान के लिए, श्री नरेंद्र सिंह नेगी को कई पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है, जिनमें मोनाल पुरस्कार, गौरवगढ़ सम्मान, ओएनजीसी द्वारा हिमगिरी सम्मान, शिवालिक रत्न, गढ़कला शिरोमणि सम्मान और मोहन उप्रेती सम्मान शामिल हैं।

उत्तराखंड के लोक संगीत के क्षेत्र में योगदान के लिए श्री नरेंद्र सिंह नेगी को वर्ष 2018 के संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है।

SANGEET NATAK AKADEMI AWARDS
संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार
2018